>

Title: Regarding sterilization programme among the tribals in the country.

श्री अधीर चौधरी (बहरामपुर): महोदय, मैं एक बड़े गंभीर मुद्दे को लेकर आपके सामने खड़ा हूं। यह बहुत शर्मनाक है, दर्दनाक है, भयानक है। आबादी को रोकने के लिए मध्य प्रदेश सरकार जो नसबंदी का कार्यक्रम चला रही है, इसमें सबसे ज्यादा नुकसान वहां के आदिवासी लोगों का हो रहा है। मध्य प्रदेश की सरकार ने 31 मार्च तक सात लाख नसबंदी कराने का फैसला किया था। अब तक साढ़े तीन लाख से ज्यादा नसबंदी कर चुके हैं और ज्यादा से ज्यादा नसबंदी ट्राइबल और गरीब लोगों पर की जा रही है क्योंकि ट्राइबल लोग बीपीएल, अन्त्योदय अन्नपूर्णा योजना पर अपना पेट चलाने के लिए निर्भर हैं। इनको डराया जाता है कि अगर नसबंदी नहीं करोगे, तो तुम्हारा बीपीएल कार्ड, पट्टा, अन्त्योदय अन्नपूर्णा कार्ड छीन लिया जाएगा। इससे आज यह साबित होता है कि मध्य प्रदेश सरकार जो तानाशाही चला रही है, इसमें सबसे ज्यादा असर ट्राइबल लोगों पर होता है। एक जानी-मानी मैगजीन है आउटलुक, इसमें लिखा है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not quote from that. It is not allowed.

श्री अधीर चौधरी : महोदय, आंगनवाड़ी वर्कर को यह एनट्रस्ट किया जाता है कि तुम्हे अगर नौकरी चाहिए, तो छः लोगों की नसबंदी करानी पड़ेगी। यहां सबसे ज्यादा आदिवासी हैं। दूसरी बात यह है कि आदिवासियों में जो पापुलेशन की डेकेडल ग्रोथ है, उसमें मध्य प्रदेश की एवरेज है, उससे कम है। कम होते हुए भी सिर्फ डर के मारे ये लोग मजबूरन नसबंदी के चक्कर में आ जाते हैं। इस तरह मध्य प्रदेश सरकार शासन के नाम पर तानाशाही कर रही है। मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि इसे देखा जाना चाहिए।